HN/01/January-February/2024

BELIEVERS EASTERN CHURCH
Office of the Metropolitan, Synod Secretariat, St. Thomas Community, Thiruvalla, Kerala, India.

चरवाहे का पत्र

January/February 2024

सभी आर्चबिशप्स और बिशपगण, याजक, डीकन फॉदर, ईवैन्जलिस्ट, ऑर्डर ऑफ सिस्टर्स एवं विश्वव्यापी बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च के सभी विश्वासियों को पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में आशिषें और शुभकामनाएँ। आमीन!✠

मसीह में अति प्रियों,

मसीह हमारे साथ है!

आपको यह लिखते हुए मुझे अति आनन्द हो रहा है कि हम पवित्र कलीसिया की सबसे महत्वपूर्ण समय में पहुंच रहे हैं। यह 'महान दु:खभोग का समय' है जो 11 फरवरी से आरम्भ होकर 31 मार्च तक होगा।

यह समय उपवास और प्रार्थना का समय माना जाता है, जिसमें विश्वासी मसीह के पृथ्वी पर के अंतिम दिनों को याद करते हैं, जिनमें उनकी मृत्यु, दफन और विजयी पुनरुत्थान हुआ। मसीह के अनुयायी और उनकी पवित्र कलीसिया के सदस्य होने के नाते, हम इस समय का इंतज़ार करते हैं क्योंकि यह हमें 'ईस्टर पर्व' को अर्थपूर्ण तरीके से मनाने के लिए तैयार कर सके। इस समय के दौरान, हम जान-बूझकर स्वयं को धीमा करके सच्ची विनम्रता और टूटे हुए हृदय के साथ अपने जीवन को आंकने का विकल्प भी चुनते हैं, ताकि हम आध्यात्मिक रूप से नवीनीकृत हो सकें।

इसके अलावा, उपवास के तीन स्तंभ हैं, जिसे कलीसिया के सभी सदस्यों को पालन करने के लिए दिए गए हैं।

प्रार्थना: उपवास के दौरान, हमें अधिक से अधिक प्रार्थना करने को कहा जाता है। हम जितना अधिक प्रार्थना करते हैं, उतना ही अधिक बदलते जाते हैं ताकि हम अपने जीवन में परमेश्वर की इच्छा को पूरा कर सकें–जैसे स्वर्ग में पूरी होती है। हम प्रभु से प्रार्थना करते हैं और उसकी दया चाहते हैं ताकि हमारे पापों की क्षमा हो और उसके समान और अधिक हो सकें। ताकि हम अपने दैनिक जीवन में धार्मिकता के फलों का वाहक बन सकें।

उपवास: हमें न केवल भोजन से, बल्कि पापपूर्ण आदतों से भी उपवास करना चाहिए। हमें अपने अभिलाषाओं के वश में नहीं होना है, बल्कि परमेश्वर की दया और करुणा से उसे जीतना है ताकि हम परमेश्वर के दिव्य स्वभाव के सहभागी हो। जैसे-जैसे हम कुछ खाद्य पदार्थों से दूर रहते हैं, आइए हम नकारात्मक विचारों, शब्दों और कार्यों से भी दूर रहें। आध्यात्मिक विकास को पोषित करनेवाले वातावरण को बढ़ावा देते हुए, अपने घर को प्रार्थना और मनन का एक स्थान बनाएं।

दयादान देना: जैसा कि यशायाह 58:7 वचन में कहता है, हमारा उपवास परमेश्वर को तब प्रसन्न करता है जब हम गरीबों और दबे हुए लोगों की देखभाल करते हैं। इस लेंट के दौरान भोजन से उपवास करने

का हमारा इरादा यह है कि हम धन और अन्य संसाधनों को बचाकर गरीबों की सहायता कर सकें। ज़रूरतमंदों की सहायता करना परमेश्वर को प्रसन्न करता है। महान दु:खभोग के इस समय के दौरान एक परिवार के रूप में और एक पैरिश के रूप में इसे किया जा सकता है।

महान दु:खभोग मनाने के दो महत्वपूर्ण भाग हैं जो हम व्यक्तिगत रूप से करते हैं और वे गतिविधियाँ जो हम एक स्थानीय कलीसिया के रूप में एकत्र होकर करते हैं। दोनों ही घटकों का समान महत्व है।

व्यक्तिगत रूप से, हम उपवास के अनुशासन को पालन करने में, आत्ममूल्यांकन और प्रार्थना और मनन करने के लिए समर्पित करते हैं। दूसरी ओर, हमारे लिए सामूहिक रूप से आहवान यह है कि हम अपने परिवारों के साथ अधिक से अधिक आत्मिक सेवाओं में भाग लें। आनन्द की बात तो यह है कि हम इस यात्रा में अकेले नहीं हैं। हमारी स्थानीय कलीसिया एक आध्यात्मिक परिवार बन जाता है, एक-दूसरे का समर्थन और उत्थान करता है, क्योंकि यह हमारी साझा प्रतिबद्धता में है कि हमें ताकत और प्रोत्साहन मिलता है।

इसके अतिरिक्त, मैं आपसे निम्नलिखित बातों पर भी ज़ोर देने का आग्रह करता हूँ:

1. कलीसिया के सभी उपवास सम्बन्धित साधनों का उपयोग करें: हमारा महान दु:खभोग के दिनों के माध्यम से हमारी यात्रा को सार्थक बनाने के लिए पवित्र सिनॅड से, आपको दैनिक बाइबल पाठ, दैनिक लेन्टन मनन, दैनिक प्रार्थना लिटर्जी और उपवास के दिशानिर्देश जैसे कई आध्यात्मिक सहायता प्राप्त होंगी।

2. घर का प्रार्थना वेदी: उपवास अधिक प्रार्थना करने का समय है और यह हमारे घरों में भी होनी चाहिए। आइए, हम यह सुनिश्चित करें कि महान दु:खभोग के समय के दौरान घर पर पारिवारिक वेदी और प्रार्थनाएँ बिना किसी चूक के ज़ारी रहे।

3. यीशु की प्रार्थना करें: ''प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर के पुत्र, मुझ पापी पर दया करें।'' एक प्रार्थना है जिसे पूरे दिन प्रार्थना कर सकते हैं। यदि आपके पास प्रार्थना रस्सी है, तो जितनी बार संभव हो सके इस प्रार्थना को करें।

मैं हम सभी को पवित्र कलीसिया के इस निमंत्रण को नज़रअंदाज नहीं करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। आपका आध्यात्मिक पिता होने के नाते, मैं भी इस यात्रा में आपके साथ शामिल होऊंगा और आइए हम एक साथ अपने परमेश्वर द्वारा आशिष प्राप्त करने के लिए तत्पर रहें।

मसीह हमारे साथ है! वह है और हमेशा रहेगा, आमीन।

मसीह में आपका पिता

अथनेशियस योहान I मेट्रोपॉलिटन

तिथि : 15 जनवरी 2024
स्थान : पवित्र सिनॅड

निर्देश: कृपया यह सुनिश्चित करें कि यह सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित है और विश्वासियों के प्रोत्साहन के लिए सभी स्थानीय कलीसियाओं में पढ़ा जाए।